नई सोच, नया आयाम

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

RNI No. CHHHIN/2009/35020

◆ वर्षः -14 ◆ अंकः 213 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्यः 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, रविवार 12 जून 2022

पेज -3 पर सेवा सुचिता सुशासन के मूल मंत्र के साथ भाजयुमो का विशाल ...

नकली करेंसी के तीन सौदागर धराये, 2.20 लाख के नकली नोट बरामद पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

प्रशासन ने पेड़ों की कटाई भी रोकी

सरपंच बोले-सारी खदानें रद्द होने तक जारी रहेगा आंदोलन

रायपुर। हसदेव के वन क्षेत्र में तीन खदानों के कोयला खनन प्रक्रिया को रोक दिया गया है। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित तीन प्रस्तावित कोयला खदान परियोजनाओं पर अब आगे फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं होगी। हालांकि ये खदानें शुरू नहीं हो सकीं थीं। सरगुजा कलेक्टर संजीव झा ने भी इसकी पुष्टि की है। इनमें परसा, परसा पूर्व और केता बासन शामिल हैं।

कलेक्टर संजीव झा ने बताया कि इन तीनों खदानों की खनन प्रक्रिया को आगामी आदेश तक के लिए रोक दिया गया है। केता बासन PEKB (परसा ईस्ट एंड केता बसान) के दूसरे चरण परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास के लिए 8 जून को होने वाली ग्राम सभा भी रद्द कर दी गई है। इसी तरह केता एक्सटेंशन के पर्यावरण मंजूरी के लिए 13 जून को होने वाली जनसुनवाई भी रद्द है।

कलेक्टर ने बताया कि कानूनी प्रक्रियाओं के अलावा, PEKB के दूसरे चरण और परसा कोयला खदान के लिए पेड़ों की कटाई भी रोक दी गई है।

ग्राम सभा में पारित नहीं होगा तो नहीं लगेगा प्लांट : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात अभियान की कड़ी में आज जशपुर जिले के पत्थलगांव विधानसभा अंतर्गत बटईकेला पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल यहां जब भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में ग्रामीणों से चर्चा कर रहे थे, तभी ग्रामीण महिला बुधमती बाई चौहान ने मुख्यमंत्री को बताया कि क्षेत्र में स्टील प्लांट लगना प्रस्तावित है, लेकिन उन्हें अपने क्षेत्र में स्टील प्लांट नहीं चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि, अगर स्टील प्लांट को लेकर प्रस्ताव ग्राम सभा में पारित नहीं होगा तो प्लांट नहीं लगेगा।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में 14 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती तीन साल के भीतर हुई है। वहीं अन्य विभागों में भी बड़ी संख्या में लगातार नौकरियां दी जा रही हैं। किसानों की आय को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते साढ़े तीन साल में छत्तीसगढ़ सरकार ने अनेक अभिनव योजनाएं शुरू की हैं, जिससे राज्य में कृषि की ओर रुझान बढ़ा है और इससे कृषि का रकबा बढ़ने के साथ किसानों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में 65 प्रकार के वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी, गोबर खरीदी जैसे अभिनव पहल के बाद गौठानों को रुरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां अनेक तरह के आजीविकामूलक गतिविधियों का संचालन हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़वासियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार लगातार कवायद कर रही है। कोरोना काल में जब पूरे देश में आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ गई थीं, लोगों को काम नहीं मिल रहा था, तब छत्तीसगढ़ में मनरेगा के काम अनवरत रूप से जारी रहा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों को काम मिला।

भेंट-मुलाकात में ग्रामीण महिला ने स्टील प्लांट नहीं लगाने की मांग की

मुख्यमंत्री बघेल ने बताए रोजगार के तरीके

खुले बोरवेल पर सरकार सख्त

मुख्यमंत्री कार्यालय से सभी जिलों में खुले बोरवेल को तुरंत बंद कराने निर्देश

रायपुर। खेतों और आवासीय क्षेत्रों में बोरवेल को खुला छोड़ने की प्रवृत्ति पर सरकार सख्त रुख अपना सकती है। जांजगीर-चांपा जिले में 10 वर्षीय बच्चे के खुले बोरवेल में गिर जाने के बाद सभी जिलों में ऐसे खुले बोरवेल बंद कराने के निर्देश हुए हैं। अफसरों को इसकी नियमित समीक्षा के लिए भी कहा जा रहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सभी जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को बोरवेल के संबंध में निर्देश जारी किया है। कहा गया है, अफसर यह सुनिश्चित करें कि कोई बोरवेल खुला न हो। जिससे दुर्घटनाएं हो सकती हों, ऐसे बोरवेल को तुरंत बंद करें। इस काम की नियमित रूप से समीक्षा को भी कहा गया है ताकि बोरवेल को बंद करना सुनिश्चित किया जा सके।

शुक्रवार को जांजगीर-चांपा जिले के मालखरौदा क्षेत्र स्थित पिहारिद गांव में एक 10 वर्षीय बच्चा राहुल, अपने घर के पीछे बाड़ी में खेलते हुए वहां ओपन बोरवेल में गिर गया है। उसके बचाव के लिए आपदा राहत टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। सुबह 10.50 बजे तक भी बच्चे को बाहर नहीं निकाला जा सका था। NDRF-राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और SDRF-राज्य आपदा मोचन बल की टीमें वहां लगातार काम कर रही हैं।

कैसे मौत का फांस बन जाता है बोरवेल

सिंचाई और पेयजल आपूर्ति की जरूरतों के लिए बोरवेल बनाया जाता है। कई बार यह देखने में आया है कि कई सौ फीट तक गहरे इन बोरवेल को उपयोग के बाद ऐसे ही खुला छोड़ दिया जाता है। उसके आसपास घांस जम जाती है। ऐसे में अनजाने में कोई उस बोरवेल में गिर जाता है। कई बार बच्चे उत्सुकता से उसमें झांकने पहुंच जाते हैं और गिर जाते हैं।

सीजी में वन विभाग का नया सेटअप

दो की जगह चार PCCF होंगे , कुछ पद खत्म होंगे तो कुछ की जिम्मेदारी भी बदलेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नए जिलों के अस्तित्व में आने और मौजूदा जरूरतों के हिसाब से वन विभाग ने नया सेटअप बनाया है। इनमें प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर आफ फॉरेस्ट - PCCF के दो नए पद हैं। इनमें से एक PCCF प्लान, आईटी, लैंड रिकार्ड और क्लाइमेट चेंज का जिम्मा संभालेंगे। इनमें से दूसरे PCCF डायरेक्टर स्टेट फारेस्ट रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का काम देखेंगे। नए सेटअप में दो नए पद ष्ट्टस्न के भी जोड़े गए हैं। ये अधिकारी PCCF हेड क्वाटर से वाइल्ड लाइफ और बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन का काम संभालेंगे। उनके पास गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व में वाइल्ड लाइफ और फील्ड डायरेक्टर का जिम्मा होगा। CF- कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट का एक नया पद भी सृजित किया गया है। ये जंगल सफारी और नंदन वन जू रायपुर के संचालक होंगे। DCF में आठ नए पद मांगे गए हैं। इनमें से एक अधिकारी रायपुर रिसर्च और एक्सटेंशन डिविजन संभालेंगे। दूसरे डिप्टी डायरेक्टर के रूप में बैकुंठपुर में गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व में पदस्थ रहेंगे। तीसरे जंगल मुख्यालय में PCCF आफिस में कैश हैंडल करेंगे। चौथे PCCF आफिस में वाइल्ड -लाइफ का काम देखेंगे। पांचवें DCF विजिलेंस, मॉनिटरिंग और इवेल्यूशन का काम देखेंगे।

भाजपाइयों का कांग्रेस पर तंज

लोगों के बीच जाकर BJP नेता पूछ रहे, कोई कांग्रेसी नारियल फोड़ते दिखे तो बताना

रायपुर। जैसे-जैसे छत्तीसगढ़ में चुनाव करीब आता जा रहा है प्रदेश के सियासी माहौल में चुनावी तंज भी देखने सुनने को मिल रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी रायपुर में मोदी सरकार के 8 साल पूरे होने पर अलग-अलग विधानसभा इलाकों में बाइक रैली निकाल रही है।

इसी वजह से स्कूटर लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेता संजय श्रीवास्तव और श्रीचंद सुंदरानी उत्तर विधानसभा इलाके में निकले। बाइक रैली जगह-जगह रुककर लोगों को मोदी सरकार की योजनाएं बता रही थी, इसी बीच भाजपा के नेताओं ने लोगों से पूछा कि कोई कांग्रेसी नारियल फोड़ते दिख जाए तो हमें बताना। नारियल फोड़ने से भाजपा नेताओं का आशय विकास कार्यों के उद्घाटन या भूमि पूजन से था। भाजपा लोगों के बीच जाकर यह प्रचार कर रही है कि प्रदेश का विकास भाजपा के वक्त ही हुआ था कांग्रेस के नेता कुछ नहीं कर रहे।

शराब कोचियों को 7 दिनों का अल्टीमेटम

रायपुर । गांव के गली कूचों में बिक रहे अवैध शराब की वजह से त्रस्त कुटेसर की महिलाओं ने बीते गुरुवार को इसके खिलाफ मोर्चा खोलने के निर्णय लेने के बाद बीते कल शुक्रवार को पुनः बैठक आयोजित कर शराब कोचियों को अपना कारोबार 7 दिनो के भीतर समेटने का अवसर देने का फैसला करते हुये कोचियों को अपना फरमान सुना दिया है व अमल न होने पर कार्यवाही की चेतावनी दी है इधर मंदिर हसौद थाना अमला ने ग्राम कुटेसर व बडगांव में बीते कल शुक्रवार से पेट्रोलिंग शुरू कर दी है व दबिश पर कोचिये नदारत मिले । ग्रामीणों के अनुसार इसके चलते माहौल शांत रहा। ज्ञातव्य हो कि ग्राम के गली कूचों में बिक रहे अवैध शराब की वजह से ग्राम का माहौल बिगड़ने व खासकर महिलाओं व नौनिहालों को इसकी वजह से आ रही परेशानियों से आक्रोशित कुटेसर की महिलाओ ने ग्राम में सक्रिय 16 स्व सहायता समूहों के अगुवाई में इकट्ठा हो पंचायत के सहयोग से मोर्चा खोलने का सर्वसम्मत निर्णय बीते गुरुवार को लिया है ।

छत्तीसगढ़ में अब प्री-मानसून

अरब सागर से आ रही नम हवाओं से बदला मौसम, मुंगेली,कवर्धा, जशपुर सहित कई जिलों में बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार को मुंगेली, कबीरधाम, जशपुर सहित कई जिलों में बरसात शुरू हो गई है। रायपुर में भी बादल छाए हुए हैं। वहीं तेज होती हवाओं के साथ गरज-चमक शुरू हो चुकी है।

यह मानसून पूर्व की बरसात है। मौसम विभाग का कहना है,अब अगले कुछ दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा का यह सिलसिला कुछ दिनों तक जारी रहेगा। यहां मानसून के 16-17 जून तक आने की संभावना जताई जा रही है।

रायपुर मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक प्रदेश में पश्चिम से ठंडी और नमी युक्त हवा का आगमन लगातार जारी है। जिसके कारण प्रदेश में अधिकतम तापमान में क्रमशः गिरावट देखी जा रही है। प्रदेश में 12 जून को कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छीटें पड़ने की संभावना है। प्रदेश में गरज-चमक के साथ एक-दो स्थानों पर वज्रपात होने तथा अंधड़ चलने की संभावना है। प्रदेश में वर्षा का सिलसिला लगातार जारी रहने की संभावना है। इसकी वजह से प्रदेश के अधिकतम तापमान में गिरावट का क्रम शुरू हो जाएगा।

मुंगेली में बारिश से लोगों को थोड़ी राहत मिली है।

मौसम विज्ञानी एच.पी. चंद्रा ने बताया, प्रदेश की हवा में नमी का सबसे बड़ा स्रोत अरब सागर और बंगाल की खाड़ी है। अभी पश्चिमी हवा प्रबल हो रही है। पश्चिमी रेखा के साथ मानसून बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। अभी वह महाराष्ट्र के बड़े हिस्से को पार कर चुका है। कल तक उसके गुजरात पहुंच जाने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में उधर से आने वाली हवाएं नमी युक्त ठंडी हैं। यही नमी अनुकूल परिस्थितियों में बादल बनाती है और बरसात करती हैं। स्थानीय परिस्थितियों की वजह से प्री मानसून की बरसात होती है। उसके लिए अभी परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं।

कैसे होती है बादलों से यह बरसात

मौसम विज्ञानी एच.पी. चंद्रा बताते हैं, मैदानों में भीषण गर्मी की वजह से हवा गर्म होकर ऊपर की ओर उठती है। यह कन्वेक्शन होता है। यहीं अगर उसे नमी मिल जाए तो बादल बनता है। इसमें पानी गैस के रूप में होता है। विभिन्न सतहों पर बह रही हवा इसे ऊंचे उठाकर ले जाती है।

भेंट-मुलाकात.. *मुख्यमंत्री ने पत्थलगांव विधानसभा के ग्राम बटईकेला में ग्रामीणों से लिया योजनाओं का फीडबैक*

प्रेमनगर में घुघरी नदी एवं महादेव मुड़ा में बनेगा एनीकट

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट मुलाकात के तीसरे चरण की शुरूआत पत्थलगांव विधानसभा के बटईकेला ग्राम के प्राचीन शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर की। उन्होंने भगवान शिव विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए सुख समृद्धि की मंगल कामना की।

मुख्यमंत्री ने बटईकेला के हेलीपेड में उतरते ही वहां उपस्थित एक नन्हे बच्चे से बड़ी आत्मीयता के साथ बात करते हुए उसका नाम पूछा और पढ़ाई-लिखाई के संबंध में जानकारी ली। बच्चे ने अपना नाम अजय यादव बताया और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री नन्हे अजय के वाकपटुता से प्रभावित हुए और बच्चे की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात के बाद बटईकेला में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने ग्राम बटईकेला के चौपाल में ग्रामीणों की योजनाओं का फीडबैक लिया और उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर प्रेमनगर में घुघरी नदी एवं महादेव मुड़ा में एनीकट निर्माण, डोकड़ा ग्राम में 32 केवी का बिजली उपकेंद्र, डोकड़ा ग्राम में स्टाफ आवास के निर्माण, खुटेला में नवीन स्कूल भवन के निर्माण, कांसाबेल ब्लाक में इंडोर स्टेडियम के निर्माण, बटईकेला में 25 लाख रूपए की लागत से सामुदायिक भवन बनाने और महादेव डांड में पुलिस चौकी स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने आमजनों से चर्चा में पूछा कि रोज़गार चाहिए कि नहीं, भीड़ में सभी ने हाथ उठा कहा रोजगार चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोज़गार के कई तरीक़े हैं। उन्होंने कहा कि हमने शासकीय नौकरी में 14 हज़ार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की है। साथ ही अन्य विभागों में युवाओं को रोजगार मिल रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार प्राप्त करने के अन्य तरीके भी हैं। हमने किसानों के लिए योजनाए शुरू की तब रक़बा बढ़ा, किसानो की संख्या और किसानो की आय बढ़ी।

छत्तीसगढ़ में 16 जून से खुलेंगे स्कूल

पहले दिन से ही थ्योरी-प्रैक्टिकल पर होगा फोकस, जुलाई में सालभर का खाका तैयार करने के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 16 जून से सभी सरकारी स्कूल शुरू होने जा रहे हैं। इससे पहले रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी स्कूल के प्रिंसिपल और हेड मास्टर को एक निर्देश जारी किया है। यह पहली बार है जब जिला शिक्षा अधिकारी ने पढ़ाई पर फोकस पहले दिन से ही करवाने की बात पर जोर देते हुए तमाम शाला प्रमुखों को लेटर जारी किया है। जिला शिक्षा अधिकारी ए एन बंजारा ने खासतौर पर जोर दिया है कि बच्चों को पहले दिन से ही पढ़ाई पर फोकस करवाएं। उन्होंने टीचर से यह भी कहा है कि जुलाई 31 तक इस बात का खाका तैयार करें कि पूरे साल किस तरह से बच्चों को सिखाया और पढ़ाया जाएगा।

बनेगा रोड मैप - इस खत में DEO ने लिखा है कि पहले दिन से ही क्लास में थ्योरी और प्रैक्टिकल पर खास जोर देते हुए क्लास में कक्षाएं लगाई जाएंगी। इसके अलावा जन सहयोग से क्लासरूम को आकर्षक और कलरफुल बनाया जाएगा। उन्होंने संस्था के प्रमुखों से एक रोडमैप तैयार करने को कहा है। जिसमें टीचर यह बताएंगे कि बच्चों को क्या-क्या किस तरह से अभ्यास कराते हुए सिखाया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने साफ तौर पर स्कूलों को जिम्मेदारी दी है कि हर क्लास के बच्चे के सीखने और समझने की दक्षता को बढ़ाना लक्ष्य होगा। निशुल्क बांटे जाने वाली पाठ्य पुस्तकें और यूनिफॉर्म जैसी चीजें भी बच्चों के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारे का धरती पर उतरना बाकी

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा जितना अधिक प्रचलित हुआ अभी तक धरातल पर उतना नहीं उतर सका। यह नारा ही नहीं एक राष्ट्रीय संकल्प है, लेकिन वास्तविकता यह है कि योजना लागू होने के 7 साल बाद भी बेटियों के प्रति समाज के नजरिए में कोई खास बदलाव नहीं आया है। अभियान चलने के बाद कुल 37 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में से 13 में बच्चियों का लिंगानुपात गिरता गया।

अब भी महिलाओं, जो कि स्वयं भी बेटियां हैं की पहली पसन्द बेटा ही है। बेटियों की शिक्षा में अपेक्षित सुधार नहीं आ पाया है। महिलाओं के प्रति अपराधों में कमी नहीं आ रही है और कुपोषण के कारण उन्हें रक्त अल्पता जैसी बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। कुपोषित माताओं के बच्चे ठिगने हो रहे हैं।

अधिकतर लोगों की कम से कम एक बेटे की चाह

सन् 2011 की जनगणना में कन्या लिंगानुपात में कमी को ध्यान में रखते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को की गई थी। केंद्र सरकार का उद्देश्य इस योजना द्वारा बेटियों के प्रति समाज में होने वाले नकारात्मक रवैये के प्रति जागरूकता फैलाना और विभिन्न योजनाओं के जरिए उनका कल्याण करना है।

लेकिन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत में बेटों की परम्परागत चाह अब भी बनी हुई है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 80 प्रतिशत लोग कम से कम एक बेटा होने की इच्छा रखते हैं।

बेटियां भी मां बनने पर बेटा चाहती हैं

विचारणीय विषय तो यह है कि जो महिलाएं स्वयं बेटी होती हैं, उनका बहुमत भी बेटों के पक्ष में नजर आ रहा है। इसके अनुसार, 16 प्रतिशत पुरुष और 14 प्रतिशत महिला यानी 15 प्रतिशत लोग बेटियों की तुलना में बेटा पैदा होने की अभिलाषा रखते हैं। नतीजतन

सन् 2011 की जनगणना में कन्या लिंगानुपात में कमी को ध्यान में रखते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को की गई थी। केंद्र सरकार का उद्देश्य इस योजना द्वारा बेटियों के प्रति समाज में होने वाले नकारात्मक रवैये के प्रति जागरूकता फैलाना और विभिन्न योजनाओं के जरिए उनका कल्याण करना है।

कभी-कभी बेटे की चाह में बेटियां पैदा होती जाती हैं। सर्वेक्षण के दौरान विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं में कम से कम एक बेटे की चाह 59.82 प्रतिशत की तथा एक बेटी की चाह 58.19 प्रतिशत की थी। सर्वेक्षकों को नगरीय क्षेत्र में 11.4 प्रतिशत महिलाओं ने ज्यादा बेटों और 3.8 प्रतिशत ने ज्यादा बेटियों की चाह बतायी। ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा बेटों की वरीयता 17.4 प्रतिशत की और ज्यादा बेटियों की चाह केवल 3.1 प्रतिशत महिलाओं की थी। कम पढ़ी-लिखी महिलाओं में तो बेटों की चाह 86 प्रतिशत तक दर्ज हुई। सबसे कम आयु वर्ग में 85.3 प्रतिशत की कम से कम एक बेटे की चाह और 81.3 की एक बेटी की चाह थी। इसी प्रकार उच्च आय वर्ग में भी बेटे की चाह अधिक थी। सर्वेक्षण में सबसे उच्च आय वर्ग में 73.7 प्रतिशत को कम से कम एक बेटा और 69.1 प्रतिशत को एक बेटी चाहिये थी। भारत के पारंपरिक समाज की पुरानी मान्यता रही है कि खानदान का नाम बेटा ही आगे बढ़ाता है और वही बुढ़ापे में अपने मां-बाप की देखभाल करेगा। जबकि बेटियां शादी के बाद अपने घर ससुराल चली जाएंगीं। साथ ही उसकी शादी में खासा दहेज भी देना पड़ेगा। देश के 13 राज्यों में अभियान बेअसर

परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि बेटी बचाओ अभियान का देश के 37 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में से 13 प्रदेशों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है, क्योंकि पिछले सर्वेक्षण की तुलना में नवीनतम् सर्वेक्षण में पांच सालों के अन्तराल में जिन राज्यों में लिंगानुपात घटा पाया गया उनमें गोवा, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैण्ड, ओडिसा और तमिलनाडू शामिल हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार देश में वर्ष 2018 में महिलाओं के खिलाफ 3,78,236 वर्ष 2019 में 4,05,326 और वर्ष 2020 में कुल 3,71,503 मामले दर्ज हुए।

बेटियों की पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान नहीं

जहां तक बेटी पढावो का सवाल है तो अब समाज में जागरूकता अवश्य आ गयी है, मगर अपेक्षित लक्ष्य अभी काफी दूर है। भारत सरकार यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन रिपोर्ट 2020-21 में लड़कियों के ड्राप आउट में कमी बतायी गयी है। दूसरी ओर 2013-14 की रिपोर्ट को देखें तो उसमें देश में प्राथमिक स्तर पर 6 करोड़ से अधिक लड़कियों का नामांकन बताया गया था। छह साल बाद, 2019-20 में, लगभग इतनी ही संख्या में उच्च प्राथमिक स्तर पर नामांकित होना चाहिए था लेकिन 2019-20 की रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल 35 लाख लड़कियां ही नामांकित हैं।

जयसिंह रावत

संपादकीय

स्वपन का नूपुर समर्थन

पैगंबर मोहम्मद पर अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में भाजपा ने नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल को पार्टी से निकाल दिया और अरब देशों का गुस्सा ठंडा करने के लिए सर्वधर्म समभाव में विश्वास करने का एक बयान भी जारी कर दिया। लेकिन ऐसा लग रहा है कि भाजपा की कार्रवाई चुनिंदा है। भाजपा ने पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद स्वपन दासगुप्ता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। ध्यान रहे नूपुर शर्मा ने टेलीविजन चैनल पर बहस के दौरान 27 मई को विवादित टिप्पणी की थी। उसके बाद से ही उनका विरोध चल रहा है। जब उनका विरोध शुरू हुआ तो सबसे पहले उनके समर्थन में स्वपन दासगुप्ता आए थे। उन्होंने 28 मई को ट्विट करके कहा कि वे नूपुर शर्मा का समर्थन करते हैं और उनके साथ खड़े हैं।

सोचें, स्वपन दासगुप्ता पार्टी के सिर्फ एक नेता या एक पूर्व सांसद नहीं हैं। वे पार्टी विचारकों में से एक हैं। जब उन्होंने नूपुर शर्मा का समर्थन किया और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तो इससे अपने आप स्पष्ट है कि अगर अरब देश विरोध नहीं करते तो पार्टी नूपुर शर्मा के बयान से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन अरब देशों ने बहुत जोरदार विरोध कर दिया इसलिए कार्रवाई करनी पड़ी। तभी कार्रवाई के साथ ही डैमेज कंट्रोल भी शुरू हो गया है। सरकार के समर्थक कुछ मशहूर हस्तियों को सक्रिय कर दिया गया है कि वे इस मसले पर नूपुर शर्मा का बचाव करें। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने आगे बढ़ कर नूपुर शर्मा का समर्थन किया है और कहा है कि वे उनकी बातों से सहमत हैं।

महंगाई पर नियंत्रण की कोशिश, बढ़ती मुद्रास्फीति और रेपो दर में इजाफे का गणित

हाल ही में अमेरिकी वित्तमंत्री और अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व की पूर्व अध्यक्ष, जैनेट येलेन ने स्वीकार किया कि वह पिछले साल मुद्रास्फीति की प्रकृति को समझ नहीं पाई थीं। अधिकांश अमेरिकी केंद्रीय बैंकरों की तरह उन्होंने भी महसूस किया कि मुद्रास्फीति 2021 में चरम पर होगी और फिर 2022 में नीचे आना शुरू हो जाएगी। केंद्रीय बैंकरों के फैसले को गलत साबित करने में तीन बड़े कारकों का योगदान है।

पहला, वर्ष 2022 की शुरुआत में ओमिक्रॉन वैरिएंट में उछाल ने पहले से ही बाधित आपूर्ति शृंखलाओं की स्थिति को और बिगाड़ दिया, जिससे चीजों की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी हुई। दूसरा, चीन में कोविड मरीजों की संख्या बढ़ी, जिसके चलते उसने %शून्य कोविड नीति% के तहत अपनी लगभग 40 करोड़ की आबादी को घरों में कैद कर दिया, जिससे वैश्विक आपूर्ति शृंखला में गंभीर व्यवधान पैदा हुआ और मुद्रास्फीति में और वृद्धि हुई।

तीसरा, 24 फरवरी से रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध ने भी आग में घी डालने का काम किया। इससे गेहूं, खाद्य तेल, धातु, उर्वरक और सबसे महत्वपूर्ण तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित हुई। पश्चिमी देशों ने जवाबी कार्रवाई में रूस पर प्रतिबंध लगाए, जिससे तेल की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गईं। पिछले पांच महीनों में महंगाई में और तेजी से बढ़ोतरी हुई। और जोखिम यह है कि यह वैश्विक प्रकृति हो गई है, जिससे खाद्यान्न, ऊर्वरक और ऊर्जा-हर चीज की कीमतें बढ़ गई हैं। अमेरिकी फेड ने अपनी आसान मुद्रा नीति को समाप्त कर अपना रुख सख्त कर लिया। उसने मार्च और मई में अपनी फेड फंड दर में वृद्धि की और जून और जुलाई में और भी बढ़ोतरी की घोषणा की। ऐसा करके उसने डॉलर की तरलता को मजबूत किया। नतीजतन इस वर्ष प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर में अब तक 6.8 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस पृष्ठभूमि में, भारतीय रिजर्व बैंक ने विगत चार मई को एक आपातकालीन मौद्रिक नीति बैठक की।

शेयर बाजार, जो पिछले दो वर्षों से आसान मौद्रिक नीति का लाभ उठाता रहा है, सख्त मौद्रिक नीति से बुरी तरह प्रभावित होगा। अच्छी बात यह है कि इस दर बढ़ोतरी चक्र के पूरा होने के बाद अच्छे दिन आएंगे। ऐसी उम्मीद तो है।

गवर्नर शक्तिकांत दास ने रेपो दर को चार फीसदी से बढ़ाकर 4.4 फीसदी कर दिया और सीआरआर में 0.5 फीसदी की वृद्धि कर मुद्रा बाजारों से अतिरिक्त तरलता को दूर करना चाहा। इस सीआरआर वृद्धि ने 88,000 करोड़ रुपये की तरलता कम कर दी और आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति का संकेत दिया। विगत आठ जून को रेपो दर में 50 बेसिस पॉइंट की वृद्धि करने पर यह दर 4.9 फीसदी हो गई। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023 में 7.2 फीसदी विकास दर का अनुमान रखा है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि रिजर्व बैंक ने अप्रैल, 2022 की अपनी अनुमानित 5.7 मुद्रास्फीति दर को बढ़ाकर वित्त वर्ष 2023 के लिए 6.7 फीसदी कर दिया है। सीआरआर दर के साथ छेड़छाड़ नहीं की गई है, क्योंकि यह मई की कार्रवाई के बाद पहले ही घट गई है। अर्थव्यवस्था और बाजारों के लिए इसके मुख्य निहितार्थ क्या हैं? पहला, रिजर्व बैंक ने संकेत दिया है कि वह कोविड काल में दिए गए राहत को वापस ले लेगा। गौरतलब है कि मार्च 2020 में, आरबीआई ने दरों में 75 बीपीएस की कटौती की और मई 2020 में उसने 40 बीपीएस की कटौती की। चार मई, 2022 को इसने दरें बढ़ाकर मई 2020 की 40 आधार अंकों की कटौती को वापस ले लिया।

अजय बग्गा

मिला जुला

राज्यसभा चुनाव

महाराष्ट्र में बीजेपीऔर मविअ के 3-3 उम्मीदवार जीते

हरियाणा में कांग्रेस को झटका, अजय माकन हारे

चंडीगढ़/मुंबई। चार राज्यों की 16 राज्यसभा सीटों पर हुई वोटिंग की मतगणना शनिवार तड़के तक चलती रही. सबसे आखिर में महाराष्ट्र के नतीजे आए. यहां भाजपा 3 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही. वहीं, 3 सीटों पर महाविकास अघाड़ी ने जीत दर्ज की।

महाराष्ट्र के अलावा हरियाणा के नतीजों में काफी देरी हुई. यहां कांग्रेस को जोरदार झटका लगा और पार्टी के उम्मीदवार अजय माकन को हार का सामना करना पड़ा. हरियाणा में भाजपा के कृष्ण लाल पंवार तो वहीं निर्दलीय प्रत्याशी कार्तिकेय शर्मा ने जीत दर्ज की।

महाराष्ट्र में किसे कितने वोट?

महाराष्ट्र की बात करें तो केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार पीयूष गोयल 48 वोट हासिल करने में कामयाब रहे. इसके अलावा बीजेपी के एक और उम्मीदवार अनिल बोंडे ने 48 वोट के साथ जीत दर्ज की. इसके साथ ही भाजपा के धनंजय महादिक को 41.58 वोट मिले

इमरान प्रतागढ़ी को भी मिली जीत

एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल को 43 वोट मिले. वहीं, शिवसेना की तरफ से राज्यसभा उम्मीदवार संजय राउत ने भी 41 वोटों के साथ जीत दर्ज की. शिवसेना के संजय पवार को 39.26 वोट मिले और उन्हें हार का सामना करना पड़ा. कांग्रेस की तरफ से उम्मीदवार बनाए गए इमरान प्रतापगढ़ी 44 वोट हासिल कर जीत गए. बता दें कि महाराष्ट्र की छह सीटों पर 7 उम्मीदवार थे. छठी सीट के लिए शिवसेना के संजय पवार और बीजेपी के धनंजय महादिक में मुकाबला कांटे का था. मुख्यमंत्री के लिए उद्धव ठाकरे के लिए ये प्रतिष्ठा की लड़ाई थी लेकिन वो अपने उम्मीदवार जितान में नाकाम रहे।

कोरोना ने फिर पकड़ी रफ्तार; एक दिन में मिले 8 हजार से ज्यादा केस

नई दिल्ली। देश में बीते दिन कोरोना के 8,329 नए केस मिले और 10 मरीजों की मौत हुई। इस दौरान 4,216 लोग रिकवर भी हुए, जिससे ठीक होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,26,48,308 हो गई। फिलहाल रिकवरी रेट 98.69त्न है। इस समय एक्टिव केस 40,370 हैं, जिसकी दर 0.09त्न है। डेली पॉजिटिविटी रेट 2.41त्न, वीकली पॉजिटिविटी रेट 1.75त्न है। वहीं, शुक्रवार को 3,44,994 कोरोना टेस्ट हुए। अब तक 85.45 करोड़ से ज्यादा टेस्ट हो चुके हैं। देश भर में वैक्सीनेशन कैंपेन जारी है। अब तक 194.92 करोड़ वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी हैं। वहीं, महाराष्ट्र में शुक्रवार को पिछले करीब चार महीनों में कोविड-19 के सर्वाधिक 3,081 नए मामले सामने आए, लेकिन किसी मरीज की जान नहीं गयी। स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार अकेले राज्य की राजधानी मुंबई में 1,956 नए मामले सामने आये।

रांची में हिंसा- जखमी दो लोगों की मौत, गोली लगने के बाद अस्पताल में थे भर्ती

रांची। रांची में शुक्रवार को उपद्रव के दौरान गोली लगने से जख्मी दो लोगों की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई.

जानकारी के मुताबिक मरने वालों में एक की पहचान मुदस्सिर उर्फ कैफी के रूप में हुई है. जबकि दूसरे का नाम मोहम्मद साहिल हैं. राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) ने दो लोगों की मौत की पुष्टि की है. वहीं अभी 8 जख्मी लोगों का इलाज चल रहा है।

मालूम हो कि पैगंबर मोहम्मद को लेकर नूपुर शर्मा की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद शुक्रवार को लोग सड़कों पर उतर आए थे. मेन रोड इलाके में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस निकालकर नूपुर शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी. पुतला भी जलाया था. इसके बाद देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया।

पुलिस ने किया था लाठीचार्ज, हवाई फायरिंग

रांची में विरोध प्रदर्शन उग्र होने के बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और हवाई फायरिंग की. इस दौरान भीड़ ने भी जमकर पत्थरबाजी की. इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए. पत्थरबाजी में पुलिस के कई जवानों को चोट लगी. बहरहाल पुलिस ने भीड़ पर काबू पा लिया।

पूरे रांची शहर में लगा कर्फ्यू

प्रदर्शन के हिंसक होने के बाद प्रशासन ने पहले रांची शहर के कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया था, जिसे बाद में पूरे शहर में लगा दिया गया है. कर्फ्यू के बाद लोगों ने हिंसा वाली जगहों पर कुछ लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया. रांची में स्थिति में शांत मगर तनावपूर्ण बनी हुई है।

मानसून का दिखने लगा असर

दिल्ली में छाए रहेंगे बादल, आईएमडीबी का जारी हुआ अलर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली व एनसीआर में लू के चलते तापमान बढ़ा हुआ है। लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं। शनिवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने की भी संभावना है। लू चलने का पूर्वानुमान नहीं है। वहीं, देश के कई अन्य राज्यों में प्री मानसून ने दस्तक दे दी है। इसके चलते भीषण बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य रूप से आगे बढ़ रहा है और यह अगले

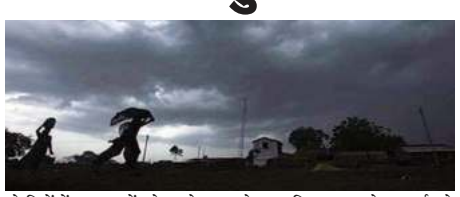

दो दिनों में महाराष्ट्र में प्रवेश करेगा। मौसम निगरानी एजेंसी ने अरुणाचल प्रदेश में अगले पांच दिनों के दौरान असम और मेघालय में भीषण बारिश की चेतावनी जारी की है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वरिष्ठ विज्ञानी आरके जेनामणि ने कहा कि मानसून ने 29 मई को केरल तट को छुआ और 31 मई से 7 जून के बीच दक्षिण और मध्य अरब सागर, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों से होते हुए पूरे पूर्वोत्तर भारत को कवर किया है।

राजधानी में बुलाई बड़ी बैठक

नमाज के बाद बवाल पर सीएम योगी सख्त

लखनऊ। प्रयागराज समेत यूपी के कई जिलों में नमाज के बाद बवाल को लेकर सीएम योगी सख्त हो गए हैं। उन्होंने राजधानी लखनऊ में आला अधिकारियों की बैठक बुलाई है। सीएम योगी ने पहले ही साफ निर्देश दिया है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जिन लोगों ने भी कानून को हाथ में लेने की कोशिश की है उन्हें सबक सिखाने को कहा है। जिले के अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए खुली छूट दे दी गई है। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि सभी जिलों में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। हिंसा व आगजनी में शामिल

उपद्रवियों की गिरफ्तारी शुरू हो गई है। वीडियो से भी उपद्रवी चिह्नित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को शाम 7.30 बजे तक कुल 109 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें सहारनपुर से 38, प्रयागराज से 15, हाथरस से 24, मुरादाबाद से सात, फिरोजाबाद से दो और अंबेडकरनगर से 23 गिरफ्तार किए गए हैं।

प्रयागराज में आगजनी, लाठीचार्ज, फायरिंग

एडीजी ने कहा कि कुछ लोगों ने जानबूझकर मामले को भड़काया है। सभी लोगों को चिह्नित किया जाएगा। जो भी सरकारी एवं निजी संपति की क्षति हुई है उसकी वसूली की जाएगी। गैंगस्टर एक्ट के तहत संपति भी जब्त होगी। इससे पहले अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि जिन लोगों ने भी अनावश्यक रूप से शांति-व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया है, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

रिश्ता तय करके लौट रहे थे घर, गड्ढे में गिरी स्कॉर्पियो, 8 लोगों की मौत

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां स्कॉर्पियो गाड़ी पानी से भरे गड्ढे में गिर गई. इस हादसे में कार सवार 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि दो लोग घायल हुए हैं. घटना बायसी क्षेत्र के अनगढ़ गांव की है. देर रात 2 बजे के करीब यह हादसा हुआ। बायसी की SDO कुमारी तौसी ने बताया कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग शादी का रिश्ता तय करके खपड़ा ताराबाड़ी से किशनगंज जिले के नूनिया गांव वापस जा रहे थे. इसी दौरान ये हादसा हुआ. अचानक लोगों से भरी स्कॉर्पियो गड्ढे में गिर गई जिसमें से अब तक 8 लोगों के शव बरामद

किए गए हैं. जबकि दो लोग इस हादसे में घायल हुए हैं। पुलिस और राहत व बचाव टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया. घायलों को इलाज के लिए भेजा गया जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चुरी में रखवाया। कन्जिया के मुखिया समरेंद्र घोष ने बताया कि रात करीब दो बजे के करीब यह घटना घटी।

पुण्य तिथि पर याद आये,सबके विद्या भैया

जोहार छत्तीसगढ़–
महासमुंद।

कांग्रेस भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहिद पंडित विद्याचरण शुक्ल जी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्ल जी के द्वारा किये गए कार्यों को याद किया गया।उनके द्वारा महासमुंद सांसद के पद को सुशोभित किया गया एवं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के विकास में भी पंडित जी के अथक प्रयास रहे। ष्विद्या भैयाष् भारतीय राजनीति के मंझे हुए नेता माने जाते थे, जिन्होंने 1957 में पहली बार महासमुंद लोकसभा चुनाव जीते और सबसे युवा सांसद बने,विद्याचरण शुक्ल का जन्म रायपुर में हुआ एवं 1951 में नागपुर के मोरिस कॉलेज से बी.ए. की शिक्षा प्राप्त की थी।

वह 9 बार लोकसभा सांसद बने एवं अनेकों बार केंद्रीय मंत्री के पद पर आसीन हुए 1966 में पहली बार प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी के कैबिनेट में मंत्री बने 1957 महासमुंद से चुनाव लड़े 1971 रायपुर लोकसभा चुनाव लड़े।

26 मई 2013 को परिवर्तन यात्रा पर नक्सलियों के द्वारा कांग्रेस के नेताओं के काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया था,जिसमें शुक्ल जी को गोली लगने के पश्चात गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया था,जहां पर उनका दुखद निधन हो गया।

महासमुंद के कांग्रेसजनों के जीवन में शुक्ल जी की यादों का एक अमिट छाप दिखता हैं। जो हमेशा चर्चा का विषय होता है की किसके साथ,किस कार्यकर्ता के साथ,किस लहजे में वो बाते करते थे। इन्ही सभी यादों के सभी कांग्रेसी नेताओं ने विद्या भैया को अपने विचारों से याद करके उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। जिसमें विनोद सेवनलाल चंद्राकर विधायक एवं संसदीय सचिव एवम डॉ. रश्मि चंद्राकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए श्रद्धांजलि सभा में डॉ.रश्मि चंद्राकर जिला अध्यक्ष,वरिष्ठ कांग्रेसी दाऊलाल चंद्राकर,संजय शर्मा प्रभारी महामंत्री,खिलावन बघेल अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी,कृष्णा चंद्राकर उपाध्यक्ष,राशि महिलांग नेता प्रतिपक्ष,सोमेश दवे,गुरमीत चावला एल्डरमैन सुनील चंद्राकर,जावेद चौहान,नितेंद्र बैनर्जी,कविता तिवारी प्रदेश महासचिव,लक्ष्मी देवांगन,लता कैलाश चंद्राकर,अन्नू चंद्राकर,ममता चंद्राकर,मनोहर ठाकुर,निर्मल जैन,चंद्रेश साहू,मोती साहू,रमेश ठाकुर,चेतन निषाद इत्यादि कांग्रेसजन ने अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन धारण करके अपने दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

एक नजर

सफलता कहानी

सामुदायिक बाड़ी से रानी स्व.सहायता समूह की महिलाएं बनी आत्मनिर्भर

51 हजार की शुद्ध आमदनी हुई

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

जशपुर जिले में गौठान के माध्यम से स्व.सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने विभिन्न प्रकार के आजीविका मूलक योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सके और अपने परिवार की आर्थिक मदद कर सके। इसी कड़ी में कांसाबेल के दोकड़ा गौठान की रानी स्व.सहायता समूह की महिलाएं मल्टीएक्टीविटी के तहत गोठान की उपलब्ध भूमि में सामुदायिक बाड़ी में सब्जी उत्पादन कार्य हेतु 0.200 हे. भूमि का चयन किया गया। समूह की महिलाओं ने बताया कि सामुदायिक बाड़ी में सब्जी उत्पादन के लिये उद्यान विभाग एवं एनआरएलएम विभाग द्वारा उचित मार्गदर्शन किया गया। सामुदायिक बाड़ी में लगाये गये सब्जी का विक्रय स्थानीय बाजार में कर रही है। उन्होंने बताया कि सामुदायिक बाड़ी में गौठान की भूमि पर टमाटर, बैंगन, मिर्च, कद्दूवर्गीय एवं सब्जी का रोपण किया गया। जिसमें समूह को 4000 हजार की लागत आई। उन्होंने बताया कि बाड़ी में सब्जियों का उत्पादन अच्छा हुआ है। जिससे अब तक उन्होंने 51 हजार रुपए की शुद्ध आमदनी हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि सामुदायिक बाड़ी से आय प्राप्त करने के अतिरिक्त समूह के सदस्य गौठान में अन्य मल्टीएक्टीविटी से अतिरिक्त आय प्राप्त कर रहे है। समूह की महिलाओं ने कहा कि बाजारों में सब्जियों की मांग को देखते हुए वे और भी अन्य सब्जियों का उत्पादन करेंगें। जिससे उनके समूह को आर्थिक रूप से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि सब्जी उत्पादन के लिए उन्हें प्रशासन के माध्यम से प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। जिसका उन्हें अच्छा लाभ मिला है।

महिलाओं ने आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन का जताया आभार

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजाओं का जिले में किया जा रहा प्रचार-प्रसार

कला जत्था के माध्यम से प्रचार सामग्री का नि:शुल्क वितरण के साथ दी जा रही योजनाओं की जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़–
जशपुरनगर।

रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं जनसम्पर्क विभाग के दिशा.निर्देश में छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं को जिले के दूरस्थ अंचल के अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के चिनहांकित गांवों एवं हाट बाजारों में कला जत्था, स्थानीय बोली के माध्यम से शासन योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न योजनाओं पर आधारित न्याय का छत्तीसगढ़ मॉडल जिला जशपुर पुस्तिका, जनमन सहित अन्य प्रचार सामग्री का नि:शुल्क वितरण भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में वैदही एजुकेशन इंस्टीट्यूट एण्ड रिसर्च टेक्नोलॉजी सोसायटी जगदलपुर के कला जत्था दल द्वारा मनोरा विकासखण्ड के सोनक्यारी, घाघरा और हर्रापाठ में कला जत्था के माध्यम छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं नरवा,गरवा, घुरवा एवं बाड़ी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री हाट.बाजार क्लिनीक, राजीव युवा मितान क्लब, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजनाए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सहित अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

मिर्च पाउडर छिड़क कर चाकू से हमला करने वाला आरोपी जेल दाखिल

कोरबा । काफी पाइंट से पिकनिक मना कर लौट रहे युवक. युवती पर कुछ युवकों ने मिर्च पाउडर छिड़क कर चाकू से हमला कर दिए थे। मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। बांकीमोंगरा थाना अंतर्गत शुक्लाखार निवासी चंद्रभान सिंह बिंझवार 23 वर्ष अपने परिचित महिला मित्र के साथ बाइक क्रमांक सीजी 12 एएच 1594 में काफी पाइंट पिकनिक मनाने गया था। वहां से वापस लौट रहा था, तभी ग्राम केशलपुर के पास मुख्य सड़क पर पहुंचे थे कि अन्य पिकनिक मनाने वाले हम से आगे बाइक में निकले। इसी दौरान एक लड़का सड़क पर मिला और हाथ देकर बाइक को रोकवाया।

भू-विस्थापितों ने सीएमडी व प्रबंधन का पुतला फूंका

कोरबा । गेवरा महाप्रबंधक के सामने चलाए जा रहे अनिश्चतकालीन आंदोलन के तहत शुक्रवार को एसईसीएल के सीएमडी व प्रबंधन का पुतला जलाकर भू-विस्थापितों ने आक्रोश व्यक्त किया। आंदोलनकारियों ने कहा कि मांगों को पूरा करने में जितना देर लगाया जाएगा, आंदोलन उतना ही उग्र होगा। उन्होंने कहा है कि इसके अगले चरण में खनन विस्तार क्षेत्र रलिया उमेंदीभाठा के ओबी कार्य को बंद किया जाएगा। आक्रोश रैली व प्रदर्शन के साथ सीएमडी तथा चारों क्षेत्र के महाप्रबंधकों के नाम ज्ञापन सौंपा गया था। जिले में एसईसीएल की गेवरा, दीपका, कुसमुंडा और कोरबा क्षेत्र के विभिन्न कोयला खदानों के लिए हजारों किसानों की जमीन अर्जित किया गया है, भविष्य में भी और भी विस्तार किया जाएगा। इसके कारण कई गांव का अस्तित्व ही समाप्त हो चुका है। उर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति के बैनर तले चलाए जा रहे आंदोलन में शामिल पदाधिकारियों का कहना है कि कोयला परिवहन के लिए बिछाए जा रहे रेल लाइन के कारण प्रभावित होने वाले परिवारों की परिसंपतियों, श्मशान, कब्रिस्तान मठ का मुआवजा एवं अन्य सुविधाएं दिलाने के लिए उचित कार्रवाई करनेए पूर्व में खदानों के कारण विस्थापित हुए परिवारों के पुनर्वास ग्रामों में सभी आवश्यक विस्तार कार्य करने, बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने, वहां निवासरत युवाओं और महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार, स्वरोजगार उपलब्ध कराने, गेवरा, कुसमुंडा व दीपका क्षेत्र में भू-विस्थापितों के लिए लागू पांच लाख रुपये तक की ठेका कार्य के शर्तों में संशोधन किया जाए।

थाना केरलापाल क्षेत्र में सक्रिय 2 मिलिशिया सदस्यों ने किये आत्मसमर्पण

जोहार छत्तीसगढ़–
सुकमा।

नक्सलियों के अमानवीय एवं आधारहीन विचारधारा को त्यागकर छग शासन के पुनर्वास नीति व

पूना नर्कोम अभियानश नई सुबह, नई शुरूवात से प्रभावित होकर किया आत्मसमर्पण। आत्मसमर्पित नक्सली थाना केरलापाल क्षेत्र का है निवासी। आत्मसमर्पण करने हेतु प्रोत्साहित कराने में थाना केरलापाल के थाना स्टाफ व कैम्प 02 री वाहिनी

सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का रहा विशेष प्रयास

सुकमा में सुन्दरराज पी पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज जगदलपुर छ ग योज्ञान सिंह, उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ परिचालन सुकमा रेंज के मार्गदर्शन एवं सुनील शर्मा पुलिस अधीक्षक सुकमा, ताशी ज्ञालिक कमांडेन्ट 02 री वाहिनी सीआरपीएफ नवीन राणा टूआईसी 2 री वाहिनी सीआरपीएफ के निर्देशन पर चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के प्रचार-प्रसार एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे पूना नम अभियान नई सुबह, नई शुरूवात से प्रभावित होकर नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर प्रतिबंधित नक्सली संगठन के 2 मिलिशिया सदस्य वंजाम भीमा, वंजाम पोदिया उर्फ पोज्जा साकिन थाना केरलापाल क्षेत्र जिला सुकमा द्वारा आज शनिवार को थाना केरलापाल में टूआईसी आनामी शरण 02 री वाहिनी सीआरपीएफ सहायक कमाण्डेन्ट आरके ठाकुर 02 री वाहिनी सीआरपीएफ , निरीक्षक जीबी सुनार 02 री वाहिनी सीआरपीएफ एवं उनि संदीप टोप्पो थाना प्रभारी के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया गया। दोनों नक्सलियों को समर्पण कराने हेतु प्रोत्साहित करने में प्रोत्साहित कराने में थाना केरलापाल के थाना स्टाफ व कैम्प 02 री वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास। आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत् सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय किया जायेगा।

मुआवजा की मांग को लेकर दो घंटे चक्काजाम कर आमरण-अनशन पर बैठे पूर्व गृहमंत्री कंवर

कोरबा । तीन दशक पहले ग्राम तरदा, कनकी व कथरीमाल के किसानों की अधिग्रहित की गई जमीन का मुआवजा अविलंब प्रदान करने की मांग को लेकर विधायक व पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर आमरण अनशन में बैठ गए। इसके पहले दो घंटे चक्काजाम किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाइश का प्रयास किया गया, पर आंदोलनकारी अपनी मांग पर अड़े रहे।

वर्ष 1978 में लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी ने उरगा- बलौदा पहुंच मार्ग के लिए लगभग 70 किसानों की जमीन अधिग्रहित की थी। लगभग 60 फिट चौड़ी सड़क का निर्माण कराया गया और किसानों को कुछ भी मुआवजा नहीं दिया गया। वर्तमान में इस सड़क को स्टेट हाइवे बनाया जा रहा है और सड़क को 80 फिट चौड़ा किया जा रहा है। ऐसे में किसान अब अपनी जमीन का मुआवजा मांग रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक ननकी राम कंवर ने भी इन्हे मुआवजा दिलाने का काफी प्रयास किया, पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी टालमटोल की नीति अपनाते रहे। मुआवजा नहीं मिलने से किसानो में भी नाराजगी बढ़ गई है। इस मुद्दे को लेकर ननकी राम ने गृह व पीडब्ल्यूष्डी मंत्री ताम्रध्वज साहू के निवास के समक्ष अनशन पर बैठने की घोषणा पहले की थी, तब जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया था कि माह भर के भीतर मुआवजे के प्रकरण को निपटा लिया जाएगा, पर अभी तक इस मुद्दे पर कोई पहल नहीं की गई। इस पर विधायक ननकी राम ने प्रशासन को नोटिस देकर शुक्रवार से ग्राम तरदा में अनशन शुरू कर दिया। आंदोलन शुरू करने के पहले प्रभावित किसान व समर्थकों ने मार्ग में दो घंटे तक चक्काजाम किया। इससे वाहनों की आवाजाही थम गई। बाद में कंवर समर्थकों के साथ आमरण अनशन पर बैठ गए।

शाला खोलने के पूर्व तैयारी को लेकर बीईओ मैनपुर ने लिया बैठक

जोहार छत्तीसगढ़–
देवभोग।

विकासखंड मैनपुर जिला गरियाबंद के विकास खंड शिक्षा अधिकारी आर आर सिंग ने शाला खोलने के पूर्व तैयारी हेतु विकासखंड के समस्त संकुल समन्वयको का हायर सेकेंडरी स्कूल गोहरापदर मे बैठक लेकर विशेष दिशा निर्देश प्रदान किए। विकास खंड शिक्षा अधिकारी मैनपुर आरआर सिंग ने शाला प्रारंभ के पूर्व शाला की साफ सफ ाई, रंगाई पुताई स्वच्छता, शौचालय की सफ ाई आदि को पूरा करने हेतु निर्देश प्रदान किया, साथ ही विद्यालय प्रारंभ होते ही शाला प्रवेश उत्सव को भव्य रुप से मनाने हेतु सुझाव दिया। शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में ग्राम के गणमान्य सरपंच, जनपद सदस्य एशाला प्रबंधन समिति के सदस्य, पालक मितानिन आदि को शामिल कर निशुल्क गणवेश निशुल्क पाठ्य पुस्तक, साइकल वितरण करने हेतु सुझाव प्रदान किया। विद्यालय प्रारंभ होते ही बच्चों पर विशेष ध्यान देकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रधान करने हेतु अपील किए तथा विद्यालय कार्य योजना बनाकर उसी के अनुसार अध्ययन अध्यापन कार्य में कसावट लाने हेतु निर्देश दिए बैठक में प्रमुख रूप से भानु प्रताप राठौर, सुभाष पांडे, राजेश कुमार दौरा, टेकराम साहू, रमेश कुमार राजपूत, अनंतराम नागेंद्र, पारेश्वर सिंह ठाकुर, जगजीवन ठाकुर, दिनेश नेताम, बलिराम नेताम, टिकेंद्र राजपूत, तखत राम कश्यप, किशोर प्रसाद मिश्रा, नीलम कुमार नागेश आदि संकुल समन्वयक उपस्थित थे।

सेवा सुचिता सुशासन के मूल मंत्र के साथ भाजयुमो का विशाल बाइक रैली

जोहार छत्तीसगढ़–
सुकमा।

मोदी सरकार के 8 वर्षो के कार्यकाल के उपलब्धियों के उपल्क्ष में सुकमा में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने शनिवार को मुख्यमार्ग केरलापाल से बाइक रैली करते हुए रामाराम, बोरगुड़ा, दीवानमुंडा, गोंगला होते हुए सुकमा मुख्यालय के बस स्टैंड से सुकमा के अटल सदन भाजपा कार्यालय पर समापन किया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भीमा मरकाम के नेतृत्व में यह बाइक रैली निकाला गया। इसी तारतम्य में आज सुकमा के अटल सदन जिला भाजपा कार्यालय में भाजयुमो के जिला अध्यक्ष भीमा मरकाम ने मोदी सरकार के 8 साल पूरे होने के साथ मोदी सरकार के उपलब्धियों से आम जन को ज्ञात कराने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने कहा की पार्टी हमेशा से सेवा, सुचिता, शुशासन के मूल मंत्र के काम पर विश्वास करता हैं। देश में मोदी की सरकार आने के बाद ही महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए हर घर शौचालय निर्माण को एक अभियान की तरह चलाया हैं। जिससे देश आज में आज भी स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत कार्य जारी हैं। कहां की मोदी सरकार ने ऐतिहासिक 8 वर्ष पूरे किये हैं। इस आठ वर्ष की स्वर्णिम यात्रा को कम शब्दों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का वर्ष इन्हें कहा जा सकता है। मोदी जी के नेतृत्व में युगपरिवर्तन कारी यह यात्रा अहर्निश जारी है। इस कार्यक्रम के दौरान भाजयुमो जिलाध्यक्ष भीमा मरकाम के नेतृत्व में भाजयूमो जिला महामंत्री राजकुमार कश्यप, भाजपा जिलामंत्री संजय सोढ़ी, भाजयूमो महामंत्री धर्मेंद्र भदौरिया, सोनू नायक, शोभन गंदमी, डी राजेश समेत सभी कार्यकर्ता ने बाइक रैली के इस कार्यक्रम में शिरकत किया।

नकली करेंसी के तीन सौदागर धराये, 2.20 लाख के नकली नोट बरामद

उड़िसा से लेकर महासमुन्द में खपाने आ रहे थे

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिले की सांकरा पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त टीम ने नकली नोट के काले धंधे में शामिल तीन लोगों को 2.20 लाख रूपये के जाली नोटों के साथ गिरफतार करने में बडी सफलता प्राप्त की है।

स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में पत्रकारों से मुखातिब पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला ने उपरोक्त जानकारी देते हुये बताया कि, सांकरा पुलिस और सायबर सेल दोनो को ही अपने खुफिया तंत्र से मिली जानकारी में अवगत कराया गया था कि, कुछ लोग नकली नोट खपाने के लिये महासमुंद आ रहे है। सूचना पर हरकत में आयी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा परसवानी चौक ओवर ब्रीज के पास चेकिंग पाइंट बनाकर बाईक क्रमांक सीजी 10 डब्ल्यू 2458 और बाईक क्रमांक सीजी 06 जीएस 9872 को रोका गया। तीनों लोगों में एक ने अपना नाम पुनीराम पटेल 38 ग्राम मल्दी(बलौदा बाजार),दूसरे ने अपना नाम आलेख बरिहा 38 निवासी ग्राम भंडारपुरी थाना झारबंद जिला बरगढ़ (ओडिसा) तथा तीसरे ने अपना नाम प्रफुल्ल बारिक 24 ग्राम जेराभरन (सांकरा) निवासी बताया।

पुलिस की टीम ने जब उन्हें महासमुंद जिलें में आने का कारण पूछा और वाहन के कागजात दिखाने को कहा तो वे लोग गोलमोल जवाब देने लगे। पुलिस की टीम ने जब संदिग्धों की बारिकी से तालाशी ली तो उनके पास बड़ी मात्रा में नगदी रकम थी। पुलिस की टीम ने नगदी रकम के बारे में उनसे पूछताछ किया तो वे कोई स्पष्ट जवाब नही दे पाये। पुलिस की टीम ने जब नगदी रकम को चेक किया तो वह प्रथमदृष्टिया ही नकली प्रतीत हुआ। टीम ने जब नकली नोटो के बारे में जब उनसे पूछताछ किया तो पुलिस की टीम को गोलमोल जवाब देकर घुमाते रहे।

पुलिस ने जब तीनों व्यक्तिओं से पृथक-पृथम गहन पूछताछ कर महासमुंद जिलें में आने का कारण एवं नकली नोट रखने के बारे में कड़ाई से पूछताछ की तो वे टूट गये। पुलिस की टीम ने पुनीराम पटेल से मौके पर साईड पॉकेट में रखे 500-500 के 199 नग नकली नोट कुल 99,500 रूपयें तथा प्रफुल्ल बारिक के पास से 200-200 के 431 नग नकली नोट कुल 86,200 रूपयें तथा आलेक बारिहा के पास से 200-200 के 175 नग कुल 35,000 रूपये के नकली नोट कुल जुमला 2,20,700 रूपयें 500-500 के कुल 199 नग तथा 200-200 रूपयें के 606 नग नकली नोट बरामद कर थाना सांकरा में अपराध क्रमांक 105/22धारा 489(ब) प्च्ब् के तहत् कार्यवाही किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में अति0 पुलिस अधीक्षक श्रीमती मेघा टेम्बुलकर साहू एवं अनु0अधिकारी (पु) महासमुंद सुश्री कल्पना वर्मा व अनु0अधिकारी (पु) पिथौरा विनोद मिंज के निर्देशन में सायबर सेल प्रभारी संजय सिंह राजपूत, थाना प्रभारी सांकरा उनि0 उमाकान्त तिवारी, सउनि0 रविन्द्र कुमार साहू सउनि. ललित चन्द्रा, प्रकाश नंद, प्रआर मिनेश ध्रुव आर शुभम पाण्डेय, चम्पलेश ठाकुर, डिग्री लाल नंद, देव कोसरिया, विरेन्द्र नेताम, संदीप भोई, संतोष सावरा, अभिषेक राजपूत, अनिल नायक, मदन निषाद, राजेश प्रधान, विजय दिव्य, दिलीप पटेल द्वारा की गई।

एक नजर

भाजपा युवा मोर्चा द्वारा विकास तीर्थ बाइक रैली

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 8 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश के आह्वान पर चिरमिरी मंडल क्षेत्र में विकास तीर्थ बाइक रैली निकाली गई। आपको बता दें कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के सफल 8 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश के आह्वान पर भव्य विकास तीर्थ बाइक रैली निकाल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8 साल के जन हिताय योजनाओं के बारे में श्याम बिहारी जायसवाल पूर्व विधायक ने आम सभा को सम्बोधित कर जानकारी दिया साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश की भूपेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनावों में वादा खिलाफी और प्रदेश की जनता को ठगने का जवाब जरूर देगी

बेलसोंडा सरपंच भामिनी पोखन चन्द्राकर निलंबित

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुन्द।

ग्राम पंचायत बेलसोंडा की सरपंच को पदीय निवहन नहीं करने तथा वित्तीय मामलों में गड़बड़ी किए जाने आरोप और आरोप जांच में बाधक व असहयोगात्मक रवैये के कारण छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 39 के तहत सरपंच पद से निलंबित किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा निलंबन का आदेश जारी कर दिया है। प्रकरण में धारा 40 पर आगामी सुनवाई हेतु 16 जून 2022 नियत की गयी है। मालूम हो कि उपसरपंच ने न्यायालय में सरपंच ग्राम पंचायत बेलसोंडा द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन नहीं करने एवं वित्तीय मामलों में गड़बड़ी किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया था। एसडीएम न्यायालय द्वारा आवेदन को स्वीकार करते हुए सरपंच को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। किंतु निर्धारित तिथि तक सरपंच द्वारा कोई जवाब नहीं दिया। इस कारण नियमानुसार निलम्बन की कार्रवाई की गयी। इस हेतु शिकायत की जाँच हेतु जाँच टीम गठित की गयी थी। सरपंच द्वारा जाँच टीम को न सहयोग किया और न ही कोई संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आई सच्चाई

श्वांस नली में दूध के फंसने से हुई थी मासूम की मौत

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

पिथौरा ब्लॉक में टीकाकरण के बाद तीन माह की बच्ची के मौत का मामला सामने आया था, जिसमें अब मौत के कारणों की पुष्टि हो गई है। इस संबंध में टीकाकरण के बाद होने वाले प्रभावों की समीक्षा करने वाली जिला स्तरीय कमेटी की बैठक हुई। बैठक में चिकित्सक ने कहा कि बच्ची की मौत श्वास नली में दूध के फंसने और श्वास नहीं ले पाने के चलते हुई है। बता दें कि मंगलवार को जगदल्ला निवासी खगेश चक्रधारी ने अपनी तीन माह की बच्ची को भुरकोनी आंगनबाड़ी केंद्र में टीका लगवाया था और इसके कुछ देर बाद घर पहुंचने पर बच्ची बेहोश हो गई थी। इसके बाद पीएचसी में लेकर गए और वहां से पिथौरा सीएचसी रेफर किया गया था, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया था। बाद परिजनों ने ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पर लापरवाही का आरोप लगाया था। इस संबंध में सीएमएचओ डॉ. एसआर बंजारे ने बताया कि बच्ची के शव परीक्षण की रिपोर्ट आ गई है। शव परीक्षण में सामने आया है कि बच्ची के श्वास नली में दूध फंस गया था, जिससे उसे सांस लेने में परेशानी हुई और बेहोश हो गई। इसके बाद पिथौरा सीएचसी ले जाते समय उसकी मौत हो गई थी।

बंदी की मौत पर बवाल

आबकारी और जेल अधिकारी के खिलाफ एफ.आई.आर की मांग

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

अवैध शराब के मामले में आबकारी विभाग द्वारा पकडे गये सरायपाली थाना क्षेत्र के ग्राम बिछिया निवासी हेम सागर महिलाने पिता स्व. उसत राम महिलाने उम्र 30 को विगत 7 जून को गिरफतार कर जेल भेज दिया गया था। कल 10 जून को अचानक स्वास्थ्य बिगडने पर उसे स्थानीय जिला अस्पताल में उपचार के लिये लाया गया था। जहा पर उसकी मौत हो गई। इस मामले में मृतक के परिजनों द्वारा आबकारी विभाग के चार लोगों पर मृतक के साथ नाजायज मारपिट किये जाने एवं जेल में भी प्रताडित किये जाने का आरोप लगाया गया है। आज 11 जून को मृतक हेमसागर के मौत के मामले में दोषी आबकारी पुलिस और जेल विभाग के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर चीरघर के सामने धरना दिया गया और आबकारी,जेल एवं पुलिस प्रशासन के विरूध्द जमकर नारेबाजी की गई। परिजनों के साथ प्रगतिशील छ.ग.सतनामी सामाज के युवा प्रकोष्ठ ने प्रदेशाध्यक्ष दिनेश बंजारे और स्मिता कोसरिया,तेजराम चौलिक एवं सोमनाथ टोंडेकर आदि ने दोषी लोगो के खिलाफ एफ.आई.आर. किये जाने की मांग की है। लोगों द्वारा मृतक का पोस्टमार्टम बाद शव उठाने से भी इंकार किया जा रहा था और एफ.आई.आर. किये जाने की मांग पर सतनामी सामाज के लोग डटे हुये थे।

धनरास राखड़ बांध से प्रदूषण मामले में कलेक्टर ने गठित की जांच टीम

कोरबा । नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन एनटीपीसी जमनीपाली की धनरास राखड़ बांध में प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपायों में लापरवाही बरते जाने के मामले को कलेक्टर में संज्ञान ने लिया है। मामले की जांच के लिए कलेक्टर ने एसडीएम कटघोरा, खनिज विभाग व पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को संयुक्त टीम गठित की है। यह टीम धनरास बांध में डंप किए जा रहे राख व उसके रखरखाव की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

विकासखंड कटघोरा के ग्राम नवागांव कला में आयोजित सरकार तुंहर द्वार शिविर में ग्रामीणों ने एनटीपीसी द्वारा धनरास राखड़ बांध में राखड़ के अव्यवस्थित डंपिंग की शिकायत की थी।

खैरा के जंगल में 65 वर्षीय बुजुर्ग की मिली लाश क्षेत्र के लोगों में मचा हड़कंप रतनपुर पुलिस जुटी जांच में

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खैरा के जंगल में सड़ी गली लाश मिलने से लोगों में हड़कंप मच गया बताया जा रहा है कि जंगल में लाश कई दिनों पुरानी हो जाने की वजह से लाश पूरी तरीके से सड़ गया है। जिसकी पहचान रतनपुर पुलिस के द्वारा परिजनों को बुलाकर मृतक के चप्पल कपड़े इत्यादि से शिनाख्त कराई गई जिस पर परिजन ने मृतक का नाम सुकुत राम बरेठ पिता लहरी बरेठ उम्र 65 वर्ष निवासी ग्राम चरौदा थाना मालखरौदा का बताया जा रहा है वही जानकारी मिली की मृतक 25 मई को बेलगहना अपने रिश्तेदार के यहां घूमने आया हुआ था जो कि 26 मई को दोपहर करीब 1 बजे घर से बाल्टी में पानी लेकर निकला था उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा जिसकी तलाश उसके रिश्तेदार कर रहे थे लेकिन वह खैरा के जंगल में कैसे पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई इस पर अभी तक रहस्य बना हुआ है रतनपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

घर में घुसकर बर्तन व अन्य समान चोरी करने वाले आरोपियों को रतनपुर पुलिस ने चंद घंटो में किया गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

घर में घुसकर बर्तन व अन्य समान चोरी करने वाले आरोपी को रतनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार प्रार्थी चंदराम श्याम निवासी भदरापारा बेलतरा थाना रतनपुर में 09 जून 2022 को थाना रतनपुर उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 06 जून 2022 की दरमियानी रात कोई अज्ञात चोर इसके घर में घुसकर बर्तन व अन्य सामग्री कुल कीमती 20,000 रूपये को चोरी कर ले गया कि रिपोर्ट से अपराध सदर कायम कर विवेचना, में लिया गया दौरान विवेचना मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 02 संदिग्ध व्यक्ति को अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पुछताछ करने पर इस प्रकरण में मशरूका चोरी करना स्वीकार किये, आरोपीयो के मेमोरेण्डम के आधार पर चोरी किए गए सामग्री को बरामद कर आरोपियों को विष्णु नेताम,राधेकृष्ण मरावी दोनों निवासी भदरापारा बेलतरा थाना रतनपुर न्यायालय कोटा में पेश किया गया है। आरोपियो के मान. न्याया के आदेशानुसार न्यायिक रिमाण्ड पर केन्द्रीय जेल बिलासपुर दाखिल किया गया है।

बेमेतरा चौकी कंडरका पुलिस की कार्यवाही 6 वर्षो से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा पंकज पटेल व एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल के मार्गदर्शन में थाना/चौकी प्रभारियो के द्वारा प्रतिदिन पुरे जिले में स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियो को पकड़ने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत चौकी कंडरका स्टाफ के द्वारा माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बेमेतरा न्यायालय के प्रकरण में मारपीट, लडाई - झगडा व जान से मारने की धमकी देने के मामले में 06 वर्षो से फरार चल रहे स्थायी वारंटी लालादास पिता जगदीश दास वैष्णव उम्र 60 साल साकिन आनंदगांव चौकी कंडरका थाना बेरला जिला बेमेतरा को जरिये मुखबिर कि सूचना पर दिनांक 10.06.2022 को घेराबंदी कर पकड़ा गया। उपरोक्त वारंटी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

उक्त वारंटी को पकडने में चौकी कंडरका प्रभारी उप निरीक्षक रंजित प्रताप सिंह, आरक्षक संजय पाटिल, योगेश साहू, गौतम ठाकुर एवं अन्य स्टाफ शामिल थे।

हजरत सैय्यद मुसा शहीद रहमतुल्लाह अलैह रतनपुर का सालाना उर्स

अनवर जानी मुंबई और सईद फरीद निजानी यूपी पेश करेंगे कव्वाली,मंत्री शिव डहरिया व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत होंगे मुख्य अतिथि

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

बाबा हजरत सैय्यद मूसा शहीद रहमतुल्लाह अलैह का 96 वां सालाना उर्स आज 11 जून शनिवार को देश के मशहूर कव्वाल अनवर जानी मुंबई और सईद फरीद निजानी यूपी की कव्वाली का कार्यक्रम होगा। मुस्लिम जमात रतनपुर द्वारा जूना शहर स्थित दरगाह में बाबा हजरत सैय्यद मूसा शहीद रहमतुल्लाह अलैह का 96 वां सालाना उर्स शुक्रवार को बाद नमाज असर करैहापारा स्थित जामा मस्जिद से संदल चादर निकाली गई जो हटरी स्थित साईं बाबा के दरगाह में चादरपोशी कर शहर का गस्त करती हुई मदारबाड़ा पहुंचे जहां फातेहाख्वानी के बाद संदल चादर बाबा हजरत सैय्यद मूसा शहीद रहमतुल्लाह अलैह की जूना शहर स्थित दरगाह पहुंचे जहां गुस्ल के बाद अकीदत के साथ संदल चादर पेश किया जाएगा। बाद नमाज ईशा ओलमा,करम की तकरीर होगी। शनिवार 11 जून को रात 09 बजे से कव्वाली का कार्यक्रम होगा। इसमें मुख्य अतिथि नगरीय प्रशासन एवं श्रम कल्याण मंत्री छत्तीसगढ़ शासन शिव डहरिया व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत सिंह होंगे। अध्यक्षता महापौर रायपुर एजाज ढेबर करेंगे अतिविशिष्ठ अतिथि विधायक रेणू जोगी, धर्मजीत सिंह, शैलेश पाण्डेय पर्यटन मंडल अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, जितेन्द्र मुदलियार होंगे विशिष्ठ अतिथि के रूप में आमीन मेमन, विजय केसरवानी,विवेक वाजपेयी एशेख नज़रुददीन,त्रिलोक चंद्र श्रीवास, आरिफ खान, यासमीन खान, नपा अध्यक्ष घनश्याम रात्रे उपस्थित रहेंगे कव्वाली के कार्यक्रम में देश के मशहूर कव्वाल अनवर जानी मुंबई और सईद फरीद निजानी यूपी की कव्वाली का कार्यक्रम होगा। 12 जून रविवार की सुबह बाद नमाज फजर रंग की महफिल के बाद कुल की फातेहा होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in